कार्यालय प्राचार्य, शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.) फोन/फैक्स नं.–07752.220226

बिलासपुर, दिनांक 13/03/2024

–: राष्ट्रीय सेमीनार (12 एवं 13 मार्च 2024) :–

"आधुनिकीकरण एवं जल संसाधन : चुनौतियाँ एवं समाधान"

शहर के सबसे प्रतिष्ठित एवं पुराने शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में "आधुनिकीकरण एवं जल संसाधन : चुनौतियाँ एवं समाधान" विषय पर दो दिवसीय शोध संगोष्ठी का आयोजन छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद् एवं भूगोल विभाग द्वारा आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डॉ. जे.पी. शिवहरे, संस्थापक अध्यक्ष छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद् एवं अध्यक्षता डॉ. श्यामलाल निराला, डॉ. हर्षद भावे मुख्यवक्ता, डॉ. विमल पटेल, डॉ. डी.डी. कश्यप छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद् के वर्तमान अध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. सतीश कुमार दुबे थे। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में सौ से अधिक शोध सारांश प्राप्त हुए इनका वाचन विषय विशेषज्ञों, प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों द्वारा किया गया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में यंग ज्योग्राफर प्रतियोगिता का आयोजन कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार वितरण किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. जे.पी. शिवहरे, संस्थापक अध्यक्ष छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद् ने अपने वक्तव्य में विश्व में जल वितरण, समुद्र, नदी, हवा, भूमिगत जल, ग्लैसियर में जल की उपलब्धता विषय पर सारगर्भित विषयवस्तु उपलब्ध करायी। उनहोंने बताया कि कैसे आज चेन्नई जैसा महानगर पानी के बिना मृतप्राय अवस्था में है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. श्यामलाल निराला ने बिलासपुर शहर के अरपा नदी एवं छत्तीसगढ़ के अन्य नदियों के उदाहरण देते हुए यह बताया कि नदी में रेत खनन को रोककर किस प्रकार भूमिगत जल, पर्यावरणीय वनस्पति एवं जीवों में वृद्धि तथा विस्तार की जा सकती है। भूगोल जैसे सामाजिक विज्ञान के विषयों से यह अपेक्षित होती है कि वह अपने विद्यार्थियों को संस्कारवान बनाये जिससे आगामी पीढ़ियाँ फलीभूत हो।

डॉ. हर्षद भावे जो इस कार्यक्रम के मुख्यवक्ता है ने यह स्पष्ट किया कि पानी की उपलब्धता को विवेकपूर्ण प्रयोग करते हुए भावी पीढ़ियों तक सतत् धारणीय बनाये जा सकता है। डॉ. डी.डी. कश्यप ने छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद् के इतिहास एवं प्रासंगिकता पर आज भूगोल की शोध के माध्यम से समाज एवं पर्यावरण को कैसे धारणीय बनाया जा सकता है। इस कार्यक्रम के संचालक महाविद्यालय के प्रखर ऊर्जावान प्रवक्ता डॉ. संजय कुमार तिवारी के द्वारा किया गया। जहाँ प्राध्यापकों, सहायक प्राध्यापकों, कर्मचारियों, शोधार्थियों के द्वारा सहभागिता प्रदान की गई।

HEAD
Deptt. of Geography
Govt. J P Verma P.G.
Arts & Commerce College
Bilaspur (C.G.)

(डॉ. एस.एल. निराला)
प्राचार्य
शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

प्राचार्य
शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

राष्ट्रीय संगोष्ठी

"आधुनिकीकरण एवं जल संसाधनः चुनौतिया एवं समाधान"

12-13 मार्च 2024

पंजीयन प्रपत्र

नाम ....

पदनाम ....

संस्था ....

....

जन्मतिथि ....

पता ....

....

मोबाईल ....

ई-मेल ....

शोध पत्र/आलेख का शीर्षक ....

....

पंजीयन शुल्क .... नकद/बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट नं. .... दिनांक ....

बैंक का नाम ....

दिनांक : ....   हस्ताक्षर

(इस प्रपत्र की छायाप्रति मान्य है)

प्रेषक

डॉ. एस. के. दुबे

प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष

भूगोल विभाग,

शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,

बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

☎ 9907133061, ई-मेल gpgacc.bsp@gmail.com

प्रति,

राष्ट्रीय संगोष्ठी

"आधुनिकीकरण एवं जल संसाधनः चुनौतियाँ एवं समाधान"

12-13 मार्च, 2024

Book Post

राष्ट्रीय संगोष्ठी

"आधुनिकीकरण एवं जल संसाधनः चुनौतियाँ एवं समाधान"

Modernization and Water Resources Challenges & Solutions

12-13 मार्च 2024

CHHATTISGARH

आयोजक

छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद

एवं

भूगोल विभाग

शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

संरक्षक

डॉ. एस.एल. निराला

प्राचार्य

संयोजक

डॉ. एस.के. दुबे

प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष

आमंत्रण

मान्यवर,

छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद व शासकीय जे.पी. वर्मा कला व वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में "आधुनिकीकरण एवं जल संसाधन : चुनौतियां एवं समाधान" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित है। इस संगोष्ठी में छत्तीसगढ़ एवं देश के अन्य भागों से भूगोलवेत्ता एवं संगोष्ठी के विषय में रुचि रखने वाले विभिन्न विषयों के विद्वान आमंत्रित है।

विषय वस्तु :-

जल एक बहुमूल्य निधि है, परंतु उपलब्धता सीमित है। सदी के प्रारंभ में जल संसाधन उत्पादन एवं उपभोग के मध्य सामंजस्य था किंतु विकास की यात्रा में बढ़ते नगरीयकरण, औद्योगिक विकास एवं जल के अतिदोहन के परिणामस्वरूप, लंबी अवधि तक जल की उपलब्धता के परिप्रेक्ष्य में जल संसाधन संरक्षण अत्यावश्यक है। विकास की दौड़ में यदि मानव विवेकपूर्ण रूप से जल संसाधनों का उपयोग न करें तो भविष्य में विश्वव्यापी जल संकट होगा।

महाविद्यालय परिचय :-

छत्तीसगढ़ की पावन भूमि पर स्थित शास. जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय की स्थापना सन् 1944 में हुई थी। इस महाविद्यालय में तीन हजार तीन सौ छात्र- छात्राएं अध्ययनरत है। अटल बिहारी वाजपेयी वि.वि. बिलासपुर से सम्बद्धता प्राप्त इस महाविद्यालय में 18 विभाग है जिनमें से अधिकांश स्नातकोत्तर एवं शोध केन्द्र भी है। कॉलेज कैम्पस में ग्रंथालय, क्रीड़ा विभाग, प्रयोगशाला एवं वाई-फाई सुविधाएं उपलब्ध है। अकादमिक उत्कृष्टता के लिए यह शिक्षा संस्थान विख्यात है। बिलासपुर शहर सड़क मार्ग, रेलमार्ग एवं वायुमार्ग से जुड़ा हुआ है।

शोध संगोष्ठी के बिन्दु :-

- जल संसाधन एवं जलवायविक तत्वों का प्रभाव
- नगरीकरण एवं जल संसाधन उपलब्धता
- औद्योगीकरण, जल उपयोग एवं जल प्रदूषण
- पर्यटन एवं जल संसाधन
- राजनैतिक निर्णय एवं जल संसाधन विकास
- जल संसाधन संभाव्यता व विकास
- जल संसाधन संरक्षण व शासकीय नीतियां
- जल संसाधन संरक्षण व सामाजिक संगठनों की भूमिका
- प्रदूषित एवं सूखती हुई नदियां
- कृषि आधुनिकीकरण एवं जल संसाधन
- जलवायविक परिवर्तन एवं जल संसाधन संभाव्यता
- दूर संवेदन तकनीक की जल संसाधन मूल्यांकन में उपयोगिता

शोध पत्र आमंत्रण :-

निर्धारित विषय एवं सहायक बिन्दुओं पर शोध पत्र आमंत्रित है। इच्छुक प्रतिभागी अपनी सहमति एवं शोध पत्र का सारांश ए-4 साइज पेपर में टंकित कर ई-मेल के माध्यम से कृतिदेव 10 अथवा टाइम्स न्यू रोमन फॉण्ट साईज 12 वर्ड फाइल में दिनांक 27.02.2024 तक संयोजक के पते पर भेजें। शोध पत्र हिंदी/अंग्रेजी में प्रस्तुत किये जा सकते है।

युवा भूगोल विद् सम्मान :-

ऐसे शोधार्थी जिनकी उम्र 35 वर्ष से कम है, युवा भूगोल विद सम्मान में भाग ले सकते है। उनके शोध-पत्रों के मूल्यांकन एवं प्रस्तुतिकरण के आधार पर उनमें से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय क्रम वाले युवा भूगोल विदों को सम्मानित किया जायेगा। सम्मान प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक प्रतिभागी दिनांक 27.02.2024 तक सूचना देवें। एकल लेखक शोध पत्र ही स्वीकार होंगे।

पंजीयन शुल्क

प्रतिभागी	:	राष्ट्रीय संगोष्ठी	800.00
		छ.ग. भूगोल परिषद हेतु	200.00
		कुल	1000/-
शोधार्थी	:	500.00	
छात्र-छात्राएं	:	300.00	

अतिथेय संस्था एवं भूगोल विभाग -

(1)	डॉ. सतीश कुमार दुबे	-	प्राध्यापक
(2)	श्री अंशुल गौरहा	-	सहायक प्राध्यापक
(3)	डॉ. माधुरी सिंह	-	स्ववित्तीय शिक्षक
(4)	श्री सुनील कुमार लोधी	-	स्ववित्तीय शिक्षक

आयोजन समिति

संरक्षक - डॉ. एस.एल. निराला, प्राचार्य (9425538230)

संयोजक - डॉ. एस.के. दुबे

डॉ. श्रीमती दीपशिखा शुक्ला

डॉ. के.के. भंडारी

श्री अंशुल गौरहा

छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद्

(पंजीयन क्रमांक 5620)

छत्तीसगढ़ राज्य में भूगोल विषय के अध्ययन अध्यापन एवं शोध संबंधी नवीनतम शोध को प्रोत्साहित करने हेतु दिनांक 7 नवंबर 2015 को छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद का गठन प्रो. एच.एस. गुप्ता, सेवानिवृत्त, प्राध्यापक व अध्यक्ष भूगोल अध्ययन मंडल, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के संरक्षण में किया गया। परिषद् के प्रथम अध्यक्ष डॉ. जे.पी. शिवहरे रहे। वर्तमान पदाधिकारी इस प्रकार है :-

अध्यक्ष	:	डॉ. डी.डी. कश्यप, बिलासपुर
उपाध्यक्ष	:	डॉ. डॉ. ए.एल. पटेल, कसडोल
		डॉ. के.के. द्विवेदी, राजनांदगांव
		डॉ. गौरी वर्मा, रायपुर
		डॉ. डी.एल. पटेल, कांकेर
सचिव	:	डॉ. पी.एल. चंद्राकर, बिलासपुर
सह-सचिव		डॉ. जय सिंह साहू, राजनांदगांव
		डॉ. नम्रता शर्मा, रायपुर
कोषाध्यक्ष	:	डॉ. कावेरी दाभड़कर, बिलासपुर

कार्यकारिणी सदस्य : डॉ. एच.एस. गुप्ता, डॉ. जे.पी. शिवहरे, डॉ. जेड. टी. खान, डॉ. टी.एल. वर्मा, डॉ. व्ही.के. पटेल, डॉ. उमा गोले, डॉ. शीला श्रीधर, डॉ. संगीता शुक्ला, डॉ. आर.एन. यादव, डॉ. सी.पी. नंद, डॉ. कल्पना साम्वे, डॉ. सुशीला एक्का, डॉ. बी.एल. साय।

सलाहकार समिति -

(1) डॉ. एस.आर. कमलेश

(2) डॉ. डी.डी. कश्यप

(3) डॉ. विमल पटेल

(4) डॉ. अनिल सिन्हा

(5) डॉ. आर.के. पटेल

(6) श्रीमती कुसुम सहगल

(7) डॉ. मंजू पाण्डेय

(8) श्री गोविंद माधव उपाध्याय

(9) डॉ. श्रीमती दुर्गा चटर्जी

(10) डॉ. नरेंद्र धुरिया

(11) डॉ. मनोज सिन्हा

(12) श्री विजय वैष्णव

ई-मेल : gaurahaanshul@gmail.com

संपर्क सूत्र : 9907133061, 9179521255, 8959375247, 6264066396

शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)
राष्ट्रीय शोध - संगोष्ठी
13 मार्च 2024

राष्ट्रीय शोध - संगोष्ठी
दिनांक - 12, 13 मार्च 2024
आधुनिकीकरण एवं जल संसाधन : चुनौतियाँ एवं समाधान
आयोजक : छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद एवं भूगोल विभाग, शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा
स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
विलासपुर (छ.ग.)
राष्ट्रीय शोध - संगोष्ठी
दिनांक - 12, 13 मार्च 2024
आधुनिकीकरण एवं जल संसाधन : चुनौतियाँ एवं समाधान
आयोजक : छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद एवं भूगोल विभाग, शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा
स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, विलासपुर (छ.ग.)
शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
विलासपुर (छ. ग.)

राष्ट्रीय शोध - संगोष्ठी
बिलासपुर (छ. ग.)

क्र	नाम	पंजीयन शुल्क	पता कार्यालय	शीर्षक
1	डॉ चैतन्य नन्द ✓	1000/—		
2	डॉ. (श्रीमती) निवेदिता लाल ✓	1000/—		
3.	श्री. कुबेर सिंह गुरुपंच ✓ (प्राध्यापक एवं अधिष्ठाता)	1000/—	भारती वि. वि. दुर्ग (छ.ग.)	आधुनिकीकरण एवं जल संसाधन — चुनौतियां एवं समाधान
4.	श्रीमती रीना ताम्रकार ✓	1.000/—		
5.	श्री. लक्ष्मी कुमार निषाद ✓	500/—		
6.	श्री. राजवंश कौर कोहली ✓	1000/—	४८.	
7.	सुश्री. सरीता घिमालय ✓	500/—	Govt V.Y.T P.G Auto Durg	जलसंसाधन प्रबंधन में खेतिहर कृषकों का योगदान (दुर्ग जिले के विशेष संदर्भ में)
8.	सुश्री. डॉ. कीर्ति पाण्डेय ✓	1.000/—	शास. वि. या. ताम्लकर स्नात. स्व. महा. दुर्ग	आरंग तहसील में जल की उपलब्धता एवं गुणवत्ता
9	श्री. तिकेश्वर कुमार वर्मा ✓	500/—	Digvijay College Rajnandgaon.	
10.	~~श्री~~ कमल गजपाल ✓ चेतना	500/—	Govt V.Y.T. P.G Auto College Durg	जल संसाधन संरक्षण एवं शासकीय नीतियां
11	रवीता ध्रुव ✓	5.00/—		
12.	श्री. शिवनाथ एक्का ✓	1000/—		
13.	सुश्री. लेखा साहू ✓	500/—	Govt Digvijay college Rajnandgaon.	
14.	नरेन्द्रनाथ गुरीया ✓	1000/—		
15)	राजीव जाना (Jana)	500/—		

क्र	नाम	पंजीयन शुल्क	पता कार्यालय	शीर्षक
16.	राजीव जान (Jana)	500/-		
17.	श्री० हेमन्त खरे	1000/- online		
18.	डॉ. संगीता शुक्ला	1000/- offline		
19.	राजीव जान	1000/- online		
20.	डॉ. दीपक ~~शुक्ला~~ शुक्ला	1000/- off.		
21.	सुश्री. अवन्तीका कौशिल Govt. P.G. college. Korba	800/- UPI Dr. SK		
22.	सलीम खान (यदुनन्दन नगर)	1000/रु off line.	सेवा निवृत्त शिक्षक	
23.	शबाना परवीन	500रु. off line.		
24.	मधुक्षा पाठक	1000/- online.	Anjaneya University, Raipur आंजनेय	"Pollution and Ecological Restoration: A Case study of the Mahanadi River Basin in C.G.
25.	केसरी तिर्की	500/- online	शोधार्थी	
26.	Deepmala Chandrasen	500/- offline	Research Scholar	
27.	Nisha Banjare	500/ online	Reserch Scholar	मुंगेली जिले में जल संसाधन भूमिका एक भौगोलिक अध्ययन
28.	Dr. P.L. Chandrakar.	1000/ online	Professor C.M.D. P.G College	अरपा नदी प्रदूषण एवं
29.	Dr. K. Prasad.	1000/ online	" C.M.D. P.G. College	संरक्षण
30.	अजय कुमार यदु	500/ online	शोधार्थी	

40 online

क्र	नाम	प्रमाणपत्र	पंजीयन शुल्क	किट	कार्यालय पता	शीर्षक
31	रोशन कुमार	✓	1000 रु.	✓	शास. पातालेश्वर महाविद्यालय मस्तूरी जिला - बिलासपुर	जल संसाधन का प्रबंधन : कृषि एवं उद्योग के संदर्भ में।
13/3/24						
32	विनीता कश्यप (Research Scholar)	✓	500/-	✓	शा. दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय Rajnandgaon	भारतीय परिदृश्य में उपयुक्त भूजल संरक्षण पद्धतियाँ
33	प्रवीण कौशिक (Research Scholar)	✓	500/-	✓	शा. नवीन महाविद्यालय सारागाँव जांजगीर चाम्पा	जल प्रदूषण :- स्त्रोत प्रभाव एवं नियंत्रण
34	Mrs. Bhawna Diwan (Asstt professor)	✓	1000/-	✓	Babu Pandhrirao Kridatt Govt college Silouti Dhamtari (CG)	A Report on Sustainable Development Goal 6, "Ensure Availability of water & Sanitation for All" in respect of India.
35	श्रेया यादव Shrinath EKKSir	✓	1000/- onl.	✓	शा. नवीन महावि. लखनपुर सरगुजा (छ.ग.)	—〃—
36	Dr. Pramod Kumar Sahu	✓	1000/-		Govt Naveen College Raigarh	—〃—
37	Dr. Kajal Maitra	✓	1000/-		Dr. C.V Raman University Bilaspur	—
					—〃—	
38	MD Hanif (Research Scholar)	✓	500/-			
39	Parimal Das (Research Scholar)	✓	500/-		Lalit Narayan Mithila University Bihar - 846004	
40	Prabhat Mishra (Research Scholar Political science)	✓	500/-		Dr. C.V Raman University Bilaspur	

क्र०	विद्यार्थियों का नाम / class	online Fees शुल्क
①	अनील कुमार IInd Sem	300/—
②	सरवन बघेल IInd Sem	300/—
③	दीपिका श्रीवास —"—	300/—
④	कालीदास मनीकपुरी IVth	300/—
⑤	पीयूष	300/—
⑥	अनुराग मिंज IVth	300/—
⑦	अविनेश कुमार IVth	300/—
⑧	सुनीता ध्रुव —"—	300/—
⑨	भुनेश्वर प्रसाद —"—	300/—
⑩	फागुराम साहू —"—	300/—
⑪	जमोती कौशिक —	300/—
⑫	रजनी मरावी —"—	300/—